लड्डू जैसा है लड्डू गोपाल

लड्डू जैसा है लड्डू गोपाल,मुझे बड़ा प्यारा लगे,
नन्द यशोदा का ये बाल मुझे बड़ा प्यारा लगे,

गोल मटोल मेरा लड्डू गोपाला ,
बड़ा भोला भाला लगे जग से निराला,
लड्डू गोपाला जग से निराला,
बड़ा कोमल है रूप रसान,मुझे बड़ा प्यारा लगे,
लड्डू जैसा है लड्डू गोपाल,मुझे बड़ा प्यारा लगे,

दूध दही छाज से इसे नेहलाउ,
माखन मिश्री का भोग लगाऊ,
बड़ा नटखट है गोकुल का ग्वाल,मुझे बड़ा प्यारा लगे,
लड्डू जैसा है लड्डू गोपाल,मुझे बड़ा प्यारा लगे,

शीश मुकट पीताम्बर पहनाऊ,
नजर न लगे काला टिका लगाऊ,
राधा नाम की पहनाऊ माल मुझे बड़ा प्यारा लगे,
लड्डू जैसा है लड्डू गोपाल,मुझे बड़ा प्यारा लगे,

राधा का चित चोर संवारा सलोना,
खेले खिलोनो से ब्रिज का खिलौना,
खेल खेले **'मधुप'** ये तमाम,मुझे बड़ा प्यारा लगे,
लड्डू जैसा है लड्डू गोपाल,मुझे बड़ा प्यारा लगे,

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/12711/title/laddu-jaisa-hai-laddu-gopal

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |